सत्यमेव जयते

గోండి-తెలుగు బాస కరికట్
గోండి-తెలుగు భాషాబోధిని
गोंडी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका
GONDI-TELUGU PRIMER

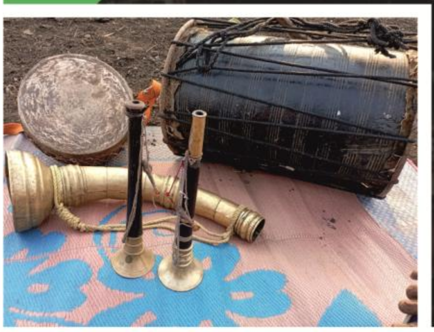
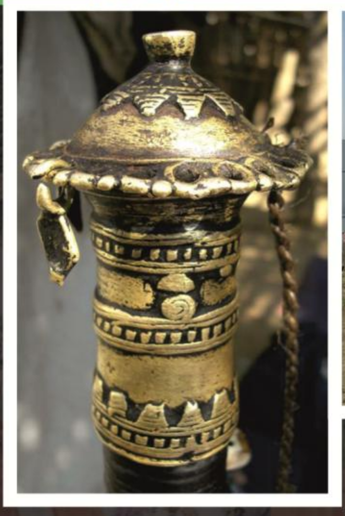

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

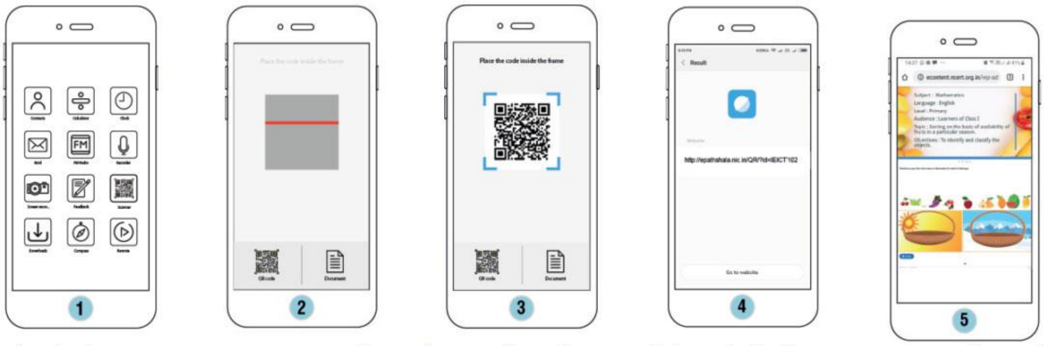

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं। ”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

గోండి-తెలుగు బాస కరికట్

గోండి-తెలుగు భాషాబోధిని

गोंडी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका

GONDI-TELUGU PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

గోండి-తెలుగు బాస కరికట్

గోండి-తెలుగు భాషాబోధిని

गोंडी-तेलुगु भाषा प्रवेशिका

GONDI-TELUGU PRIMER

A basal reader of Gondi alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Sujoy Sarkar
T. Mahendar Reddy

ISBN: 978-81-977442-4-2

First Edition: May, 2025

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2025
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Gondi Language Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मई, 2025
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है, जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

భారతదేశం యుగయుగాలుగా వివిధ ప్రాంతాల్లో మాట్లాడే అనేక భాషలుగలిగిన బహుభాషా దేశంగా ఉంది. మౌఖిక సంభాషణల్లో బహుభాషలను ఉపయోగించడం అనేది మన దేశ ప్రజల సాధారణ లక్షణం. అది మనల్ని కలుపుతూ కలిసికట్టుగా ఉండేటట్లు చేసి ఐకమత్యాన్ని పెంపొందిస్తుంది. భారతదేశ బహుభాషా స్వభావం ఒక బ్రహ్మాండమైన సంపద అనే ఆలోచనను జాతీయ విద్యా విధానం (ఎన్ఇపి-2020) గట్టిగా నొక్కి చెప్పింది. దేశ సామాజిక-సాంస్కృతిక, ఆర్థిక, విద్యా అభివృద్ధికి దీనిని సమర్థవంతంగా ఉపయోగించుకోవాల్సిన అవసరం ఉందనీ బహుభాషావాదాన్ని విద్యలో ప్రతి స్థాయిలో ప్రోత్సహించాలని ఇది సిఫార్సు చేస్తుంది. తద్వారా అభ్యాసకులు వారి స్వంత భాష(ల)లో చదువుకునే అవకాశాన్ని పొందుతారు. అన్ని భారతీయ భాషలలో బోధన-అభ్యసన సామాగ్రిని సృష్టించడం, ఆ

విధంగా బహుభాషా సంపదను పెంచి, 'విక్షిత్ భారత్'కి ఒక మెరుగైన సహకారాన్ని అందించడానికి వీలు కల్పిస్తుంది. ఎన్.ఇ.పి-2020కి అనుగుణమైన ప్రారంభ - శ్రేణి ప్రథమ వాచకాలను అభివృద్ధి చేయడం, భారతదేశంలోని ప్రతి ప్రాంత ప్రత్యేక భాషా సాంస్కృతిక లక్షణాలను సంబోధించే ఒక సమగ్ర, అంతర్గ్రాహ్య విధానం వాటికి అవసరం. ఈ ప్రథమ వాచకాలు చదవడం, రాయడంలో భాషా ప్రావీణ్యాన్ని అందించడమే కాకుండా ప్రారంభ దశ అభ్యాసకులలో సృజనాత్మకతను, విమర్శనాత్మక ఆలోచనను పెంపొందించడాన్ని లక్ష్యంగా పెట్టుకున్నాయి. ఒక భాషా చిహ్నాలను, వర్ణమాల అక్షరాలను ఉచ్చరించటానికి, గుర్తించడానికి, గ్రహించటానికి ఇది ఎంతో కీలకం. పదాది, పదమధ్యమం, పదాంత స్థానాల్లోని ఈ అక్షరాల వంటి వాటి కలయికల ద్వారా రూపొందించబడిన ఒకటి లేదా అంతకంటే ఎక్కువ జతల అక్షరాల అర్థాన్ని కూడా పిల్లలకు పరిచయం చేస్తుంది. అంతేకాకుండా, ఇది తరువాత పరిచయం చేయబోయే అక్షరాలు రాసే అభ్యాసాన్ని సులభతరం చేసే ఉదాహరణలను అందిస్తుంది; ప్రాసగేయాలు అభ్యాసకులకు వారి భాషాభివృద్ధికీ అభిజ్ఞ నైపుణ్యాలకు సహాయపడతాయి.

मई, 2025	प्रो. शैलेंद्र मोहन
मैसूरु	निदेशक
	भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Gondi-Telugu Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinators

Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru
Dupukuntla Rameshbhushan, Junior Resource Person, SPPEL, CIIL, Mysuru

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Todasam Devrao, MLE Co-Ordinator, PMRC ITDA Utnoor, Utnoor (Post & Mandal), Adilabad District, Telangana
Kumra Lalshav, SGT Teacher, Govt Ashram High School, Luxetipet, Shyampur (Post), Utnoor (Mandal), Adilabad District, Telangana
Thumram Jangu, SGT Teacher, TWPS Thummaguda, School Complex AHS (G) Indravelly, Ginnera (Post), Indravelly (Mandal), Adilabad District, Telangana
Pendur Sungu, Gondi Language Resource Person, O/o DD (TW) ITDA Utnoor, Utnoor (Post & Mandal), Adilabad District, Telanagana
T. Mahendar Reddy, Junior Resource Person, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Rajakrishna M, Senior Resource Person, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru

Telugu Reviewers

Karimindla Lavanya, Professor, Department of Telugu Studies, Telangana University, Nizamabad, Telangana
Kalyadapu Ramesh, Senior Fellow, Centre of Excellence for Studies in Classical Telugu, Nellore, AP

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical) NTM, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, Central Institute of Indian Languages, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

భాషాబోధన పుస్తకాన్ని ఎలా బోధించాలి?

జాతీయ విద్యా విధానం-2020, జాతీయ పాఠ్యప్రణాళిక చట్రం-2022ల ప్రకారం, మూడు నుండి ఎనిమిది సంవత్సరాల వయస్సుగల పిల్లలకు వారి మాతృభాష, ఇంటి భాష, స్థానిక భాష, ప్రాంతీయ భాషలలో విద్యను అందించడానికి ఏర్పాట్లు చేయడం జరిగింది. భారతదేశంలోని గిరిజనుల ప్రాబల్యం ఉన్న ప్రాంతాల్లోని పిల్లలు తరగతి గది విద్యా విధానాన్ని అర్థం చేసుకోలేరు. ఇది పాఠశాల విద్యావ్యవస్థపైన ఎంతో ప్రభావం చూపుతుంది. అందుకే 3 నుండి 5 సంవత్సరాల పిల్లలకు కిండర్ గార్టెన్,I-II తరగతి పిల్లలకు ప్రాథమిక స్థాయిలో ప్రాథమిక అక్షరాస్యతను అందించడానికి కేంద్ర ప్రభుత్వం ఏర్పాట్లు చేసింది. ఇందులో స్థానిక పాటలు, కథల ద్వారా పిల్లల నిరాశక్తతను తొలగించడం, తద్వారా వారి మౌఖిక భాషను అభివృద్ధి చేయడంపై దృష్టి పెట్టింది. పుస్తకంలోని కథ, చిత్రాలు, సంభాషణల ద్వారా ఈ పని జరుగుతుంది. దీనితోపాటుగా భాషాబోధన పుస్తకం పిల్లలకు ధ్వని పరిచయం, అక్షర పరిచయం, చదవడం, రాయడం వంటివాటి సాధన కోసం కూడా ఉపయోగించటం జరుగుతుంది.

తెలంగాణలో 9.3 శాతం మంది గిరిజనులు ఉన్నారు. గోండి భాష మాట్లాడే గోండులు తెలంగాణలోని ఉమ్మడి ఆదిలాబాదు, కరీంనగర్ జిల్లాలలతోపాటుగా పక్క రాష్ట్రాలైన మహారాష్ట్ర, మధ్యప్రదేశ్, చత్తీస్‌ఘడ్, ఒరిస్సాలలోనూ నివాసం ఉంటున్నారు. వారి ఆవాసాలు ఎక్కువగా అడవులు, పర్వత ప్రాంతాల్లో ఉన్నాయి. కిండర్ గార్టెన్ స్థాయి నుండి 3వ తరగతి వరకు గిరిజన పిల్లలకు వారి మాతృభాషలోనే బోధించడం వలన వారిలో సృజనాత్మకతను, కల్పనా శక్తిని అభివృద్ధిపరచటంతోపాటు, వారి మేధో వికాసానికి ఎంతగానో సహాయపడుతుంది. తెలంగాణ రాష్ట్రంలోని గోండి గిరిజన పిల్లలు తరగతిలో ఇతర భాషలను సరిగ్గా చదవలేరు, ఇంకా రాయలేరు కూడా. ఎందుకంటే ఆ పిల్లలు పాఠశాలలో ప్రాథమిక అక్షరాస్యతను బహిర్గతం చేయలేరు. పిల్లలు వారి మాతృభాషలోనే చదవడం, రాయడం నేర్చుకోవడంతో పాటుగా తెలుగు, హిందీ, ఇంకా ఇంగ్లీషు భాషలను క్రమంగా చదవడం, రాయడం ఎలా నేర్చుకోగలరో ఆ అర్థవంతమైన పద్ధతిని జాతీయ పాఠ్యప్రణాళిక చట్రం-2022లో వివరంగా రాసి ఉంది. పిల్లలు మొదట చదవడం, రాయడం నేర్చుకుంటారు. అందువల్ల, ఈ గోండి భాషా వర్ణమాల పుస్తకంలో పిల్లల మాతృభాషకు తెలుగు భాషలో అన్ని అక్షరాలు, శబ్దాలు, అర్థాలకు స్థానం ఇవ్వబడింది. పిల్లల సంస్కృతి, పర్యావరణం నుంచి పదాలను సేకరించి పుస్తకంలో స్థానం కల్పించడం జరిగింది.

బహుభాషావిద్య ప్రాథమిక లక్ష్యం వారి ఇంటిభాషలో చదవడం, రాయడం ప్రారంభించడం ద్వారా రాష్ట్ర భాషలో చదవడం, రాయడంలో పిల్లల నైపుణ్యాన్ని పెంచడం. గోండి భాషకు తెలుగు భాషలో అర్థాలతో అందించబడిన ఈ పుస్తకం తెలంగాణలోని రాష్ట్ర ఉపాధ్యాయులు, అభ్యాసకుల కోసం రూపొందించడం జరిగింది. ప్రాథమిక అక్షరాస్యతకు నాలుగు ప్రధాన దశలు ఉన్నాయి. మొదటి దశలో కథలు, కథనాలు, ఇంకా చిత్రాల ద్వారా పిల్లల మేధో వికాసం జరుగుతుంది. ఆ తర్వాత భాష నేర్చుకోవడానికి పిల్లలకు వస్తువులతోపాటుగా పదాలను పరిచయం చేయడం జరుగుతుంది. ఆయా పదాలలో అమర్చబడిన అక్షరాలు కూడా గుర్తించబడతాయి. ఈ పుస్తకంలో పిల్లలు వివిధ అక్షరాలను విసంకేతించడం నేర్చుకుంటారు. ఈ విసంకేతనం ద్వారా పిల్లలు శబ్దాలకూ అక్షరాలకు మధ్య సంబంధాన్ని అర్థం చేసుకోగలుగుతారు. ఈ భాషాబోధన పుస్తకాన్ని ఎలా చదవాలనే దానిపై ప్రాథమిక అంశాలు కింద ఉన్నాయి. అవి:

- **ధ్వని పరిచయం:** పిల్లలు చిత్రాన్ని చూసిన తర్వాత దాని పేరు చెబుతారు. ఉపాధ్యాయుడు ఈ చిత్రం పేరు ఏ శబ్దంతో ప్రారంభమవుతుంది? అని అడుగుతాడు. ఉదాహరణకు, '**అవ్వల్**' చిత్రాన్ని చూసిన తర్వాత, అది '**అ**' శబ్దంతో మొదలవుతుందని పిల్లలు గుర్తించి చెబుతారు.
- **వర్ణమాల పరిచయం:** ఉపాధ్యాయుడు మొదట పిల్లలకు '**అ**' అక్షరం ఎలా కనిపిస్తుందో చెబుతాడు. పిల్లలకు ఇచ్చిన కొన్ని పదాలలో నుండి '**అ**' అక్షరాన్ని గుర్తించమని అడుగుతాడు. పిల్లలు మూడు-నాలుగు పదాల నుండి '**అ**' అక్షరాన్ని గుర్తించి, ఆ శబ్దాన్ని ఉచ్చరిస్తారు. అలాగే '**అ**' అక్షరాన్ని రాయడం సాధన చేస్తారు.
- **పఠనం:** పిల్లలు చిత్రాలను చూసి, వాటికి వారి స్వంత భాషలో పదాలను చెబుతారు. పిల్లలు ఆ పదం మీద తమ వేలిని పెట్టి ఎడమ నుండి కుడికి కదిలిస్తూ ' **అవ్వల్**' అని చదువుతారు. '**అ**' తో వచ్చే ఇతర పదాలను కూడా

చదవడం ద్వారా పిల్లలు '**అ**'ని గుర్తించి మాట్లాడతారు. పదాది, పదమధ్యమం, పదాంతాలలో '**అ**' ఎక్కడ ఉందో చూపించి, దాని రూపాన్ని గురించి ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలకు వివరిస్తాడు.

'**అ**' అక్షరాన్ని చదువుతున్నప్పుడు, ఉపాధ్యాయుడు '**అవ్వల్**' అనే పదంతో పాటు మరో మూడు-నాలుగు పదాలను కూడా బ్లాక్ బోర్డు మీద రాస్తాడు. పిల్లలను ఒక్కొక్కరిగా పిలుస్తాడు. పదాలను చదవడానికీ అక్షరాలను గుర్తించడానికి ఈ పదాలన్నింటినీ పిల్లల ప్రపంచం నుండి తీసుకోవడం జరిగింది. పుస్తకంలోని చిత్రాలను చూడటం ద్వారా పిల్లలు ఈ పదాలనుగుర్తించగలుగుతారు. ఉపాధ్యాయుడు ఒక పదాన్ని రాసి, దానిలోని ప్రతి అక్షరాన్ని విడివిడిగా చదవమని పిల్లలనుఅడిగి, అక్షరాలను చేర్చడం ద్వారా ఆ పదాన్ని చదవమని అడుగుతాడు. దీనివలన పిల్లలకు వర్ణమాల, పదాలు, శబ్దాలను కూడా పరిచయం చేయటం జరుగుతుంది. ఒక పిల్లవాడు ఒక పదాన్ని చదివినప్పుడు, ఇతర పిల్లలు అతనితోకలిసి ఆ పదాన్ని పునరావృతం చేస్తారు. దీనినే 'సామూహిక పఠనం' అని అంటారు.

- **రాయడం:** ఉపాధ్యాయులు ముందుగా పిల్లలకు '**అవ్వల్**' అనే పదానికి '**అ**' ని రాయడం నేర్పుతారు. ఎడమ నుండి కుడికి రాయడానికి (కలాన్ని) ఎలా కదిలించాలో ఉపాధ్యాయుడు ప్రదర్శిస్తాడు. దీనినే 'సహాయక రచన' (సపోర్టింగ్ రైటింగ్) అంటారు. ఆ తర్వాత, పుస్తకంలో ఇచ్చిన ఖాళీ స్థలంలో మిగిలిన అక్షరాలను చూసి పిల్లలు స్వయంగా '**అ**' అనే అక్షరాన్ని రాస్తారు. పిల్లలు చదివేటప్పుడు, రాసేటప్పుడు ఉపాధ్యాయుడు ఈ విషయంలో వారికి సహాయం చేస్తాడు.

పిల్లల మౌఖిక భాషాభివృద్ధి కోసం ప్రతి పాఠంలో మూడు-నాలుగు వాక్యాలతో ప్రాసగేయాలు రాసి ఉన్నాయి. ఉపాధ్యాయుడు వాటిని పాడుతూ చదవడం ద్వారా పిల్లలతో పలికిస్తారు. పాఠశాల గ్రంథాలయంలో ఉన్న పిల్లల కథల పుస్తకాన్ని చదివిన తర్వాత, ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలభాషలో ఆ కథను చెబుతాడు. ఉపాధ్యాయుడు 1-2 తరగతుల పిల్లలకు వారి మాతృభాషలో కథలను, పాటలను చెబుతాడు. ఈ పుస్తకంలో ఇచ్చిన పదాలు అక్షరాస్యతకు ఉదాహరణలు మాత్రమే. పిల్లలకు వందల పదాలు తెలిసి వుండవచ్చు కాబట్టి ఒకే అక్షర పదాన్ని అడగడం ద్వారా, పిల్లలు చాలా పదాలను పఠించగలరు (ఉదాహరణకు, '**అ**'తో ప్రారంభమయ్యే కొన్ని పదాలను ఉపాధ్యాయుడు పిల్లలతో చెప్పించాలి)

గోండి భాషను వ్రాయడానికి స్వంత లిపి ఉన్నాకూడా ఎక్కువ ఉపయోగంలోలేనందున, దానిని రాయడానికి తెలుగులిపిని ఉపయోగించి ఆ లిపిలోని అక్షరాలకు అవసరమైన కొన్ని మార్పులను చేసుకొని దానిని ఉపయోగించడం జరిగింది. పిల్లల సౌలభ్యం కోసం, గోండి భాష అభివృద్ధి కోసం ఈ భాషను వ్రాయడానికి ఉపయోగిస్తున్న (తెలుగు లిపి) అక్షరాలతో కూడిన వర్ణమాల నుండి ప్రాసగేయాలు, పదాలు, అక్షరాలు ఇవ్వబడ్డాయి. ఈ గోండి భాషను నేర్చుకునేటప్పుడు, పిల్లలు వారి మాతృభాష నుండి తెలుగు శబ్దాలనూ లిపిని నేర్చుకుంటారు. ఆ తర్వాత గోండి భాషలో ఉపయోగించబడని మిగిలిన తెలుగు వర్ణమాలలోని అక్షరాలను (వేరే పట్టికగా ఇవ్వడం జరిగింది) కలిపి పూర్తి గోండి భాషాబోధన పుస్తకాన్ని అందించడం జరిగింది. ఎందుకంటే భవిష్యత్తులో విద్యార్థులు తెలుగును సులభంగా నేర్చుకోవడానికి కూడా ఇది ఉపయోగపడుతుంది.

గోండి భాషను రాయడానికి తెలుగు లిపిలోని అక్షరాలను అన్వయించి బోధించేటప్పుడు ఉపాధ్యాయులు గుర్తుంచుకోవలసిన ముఖ్యమైన అంశం: గోండి భాషలో ఉపయోగించనటువంటి తెలుగు వర్ణమాలలోని మిగిలిన అక్షరాలను (ప్రత్యేకించి మహాప్రాణ అక్షరాలు, అనునాసికాలు) అంచెల వారీగా నేర్పాలి. దానివల్ల విద్యార్థులకు తెలుగు వర్ణమాలతో పూర్తిస్థాయి అవగాహన ఏర్పడుతుంది. తదుపరి తరగతులలో వారికి తెలుగు భాషను నేర్చుకోవడం సులభం అవుతుంది.

రాష్ట్రంలోని పాఠశాలల్లో పంపిణీ చేసిన "ఉపాధ్యాయ సహాయక కరదీపిక" చదవడం ద్వారా మీరు ప్రాథమిక అక్షరాస్యత గురించి మరింత తెలుసుకోవచ్చు.

బూడ్నాజ్ గీతోంగ్ సూడ్సి సీతాజ్ ఖాలీనగా వటన్‌లాసి కోసిద్ కీంట్:

నిలో గీతొ :

అడ్డం గీతొ :

తిన బాజ్ వరిత గీతొ-1 :

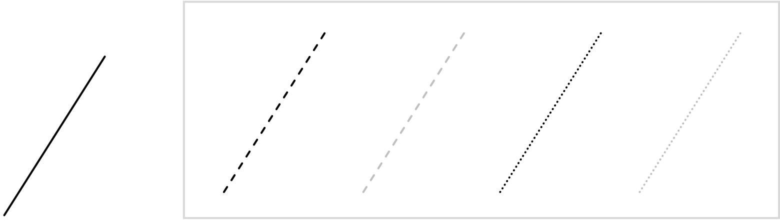

డెమ బాజ్ వరిత గీతొ -2 :

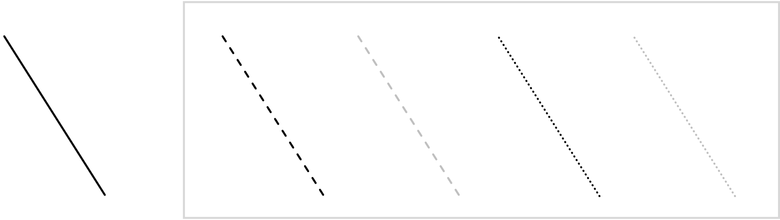

డెమ బాజ్ తిరిత గీతొ -1 :

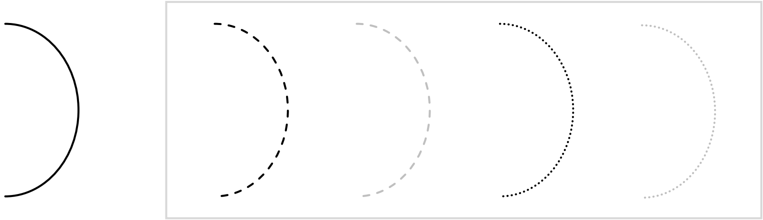

తిన బాజ్ తిరిత గీతొ -2 :

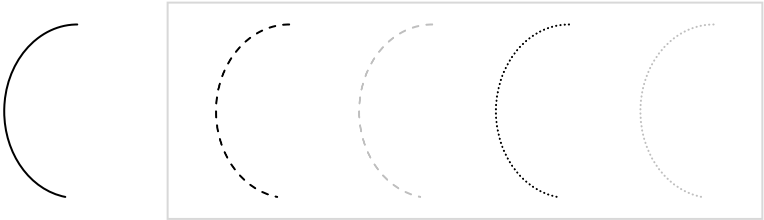

మాస్తరల్ పెన్సిల్‌దున్ బాహన్ పియనయో కరుసన అని సీతాజ్ ఖాలీన్‌గా గీతోజ్ వాటుసన.

అక్సర్క్న సార్

లేంక్

అ ఆ ఇ ఈ ఉ ఊ

ఎ ఏ ఒ ఓ అం

సూర్క్

క ఖ గ ఘ ఙ

చ ఛ జ ఝ

ట ఠ డ ఢ ణ

త థ ద ధ న

ప బ మ

య ర ల వ స హ

ఇవ్ బూడ్‌నజ్ తెలుగు అక్సర్క్ గోండి బాసతగ కాందగ వాసేర్ సెల్లెజ్:

ఋ ఐ ఔ అం అః

ఞ ఫ భ శ

ష ళ క్ష ఱ

అ

అవ్వల్

అమ్మ

అవ్వల్ మాకున్ జన్మ సీత
అడనెకె అవ్వల్ పాల్ ఉష్తా
అవ్వల్ చుడడల్ డగుర్ కీత
అవ్వల్ మాకున్ సాడ కరుస్తా

అల్లం	అడ్డి	అస్తుర్‌కయ్
అల్లం	మానిక	అరచేయి

అ	అ	అ	

ఆ

ఆకి

ఆకు

ఆకి ఆకి మర్రత ఆకి

ఆకి మంత చిలచిల

ఆకి పండ్సి బొడల్ ఆత

బొడల్ ఆసి ఆకి కుస్తా

ఆక్డపేన్	ఆర్స	ఆర్తిదడియ
పూజావాయిద్యాలు	అద్దం	హారతిపళ్ళెం

ఆ ఆ ఆ

ఇ

ఇరుక్డుమెర

ఇప్పపువ్వు

ఇర్ప్ మర్ర డజల్‌మంత

ఇరుక్డుమెర గుండ్రల్‌మంత

ఇరుక్డుమెర దవరల్‌మంత

ఇరుక్ తిన్లే గోడ్‌పాంత

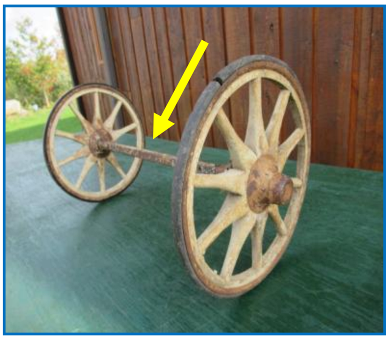

ఇట్కె	ఇర్స్	ఇత్‌మర్ర
ఇటుక	ఇరుసు	తప్సిచెట్టు

ఇ	ఇ	ఇ	

ఈ

ఈసుల్

ఉసిళ్ళు

పిర్గాలుం వాత
ఈసుల్క్ పెసితాజ్
పిడ్ప్ తచ్చ్ వాట్తోర్
ఈసుల్క్ వాసి అర్తజ్

ఈగం	ఈల	ఈటే
చలిమంట	పేడపురుగు	ఈలపీట

ఈ ఈ ఈ

ఉ

ఉర్రుం

ఉడుము

ఉర్రుం మర్ర తెర్గ్త

ఉర్రుం సబ్బుడ్ పియ్త

ఉర్రుం పియ్యు ఉమ్తెకె

ఉర్రుం వాయ్వ్యక్ ఆత

ఉల్లి	ఉసిరిపిట్టె	ఉస్కె
ఉల్లిగడ్డ	నల్లపిట్ట	ఇసుక

ఉ ఉ ఉ

ఊ

ఊకడ్

ఊయల

ఆతి మామల్ ఊకడ్ నోడ తత్తెర్

మామల్ ఊకడ్ దొహ్తొర్

ఆతి ఊకడ్ దొస్తా

ఊకడ్ పాట వార్త

ఊటడ్	ఊతి	ఊచ్డేండె
ఒంటె	బుర్కపిట్ట	చెరుకు

ఊ ఊ ఊ

ఎ

ఎల్లి

ఎలుక

వెర్కడ్ వాత ఎల్లి మక్త
ఎల్లింగ్ సంది మీరెమాతజ్
వెర్కడున్ గంటి దొహ్కాట్ ఇత్తజ్
వెర్కడున్ సూడ్సి ఎల్క్ విత్తజ్

ఎడ్జ్	ఎచల్	కెవి
ఎలుగుబంటి	మసాల దినుసులు	చెవి

ఎ ఎ ఎ

ఏ

ఏని

ఏనుగు

ఏని ఏని బోన ఏని

ఏని ఏని రాజన ఏని

ఏనిత్ పొర్రొ బోర్ ఉత్తొర్

ఏనిత్ పొర్రొ రాజల్ ఉత్తొర్

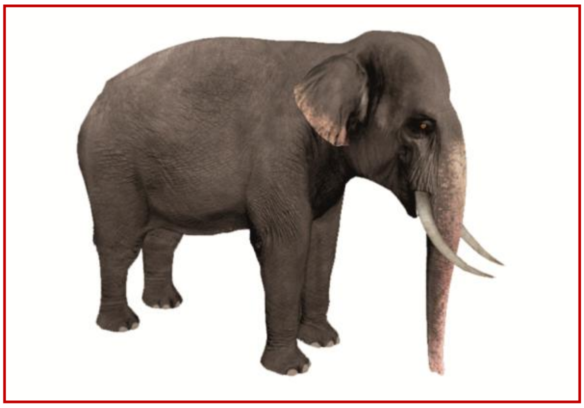

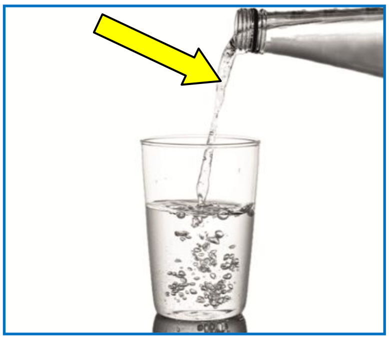

ఏందాల్	ఏర్	ఏర్‌కొర్
నృత్యం	నీరు	నీటికోడి

ఏ ఏ ఏ

ఒ

ఒజ్జె

మోపు

బాయి కేడతె పొత్త

కట్టె ఒజ్జె దొప్తా

ఒజ్జె తోచ్చి వాత

ఒజ్జె ఒసిడగ ఇర్త

పొహ్ర	కొహ్కపండి	డొక్క
బొక్కెన	జీడిపండు	తొండ

ఒ ఒ ఒ

ఓ

ఓవ

వాము

గార్క్యన్గా వాటె ఓవ
కోక్ల వాతెకె తిన్వెల్ ఓవ
చిలచిల మన్వెల్ ఓవ
మూ వాప్టె పండ్వెల్ ఓవ

	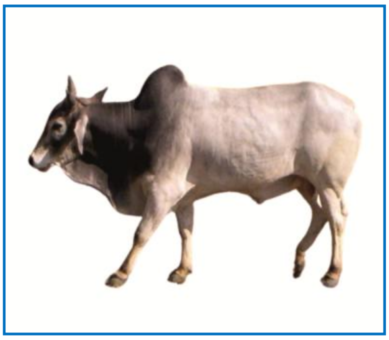	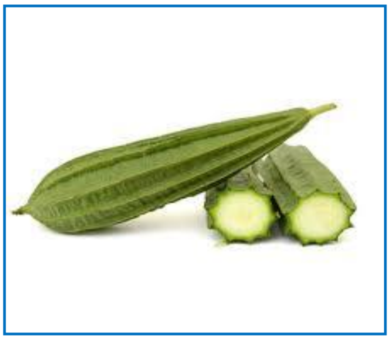
ఓండి	కోంద	టోట్క్య
వెన్న	ఎద్దు	బీరకాయ

ఓ ఓ ఓ

అం

అంబడి

గోంగూర

మావ వావ్‌టె అంబడి మంత
అంబడి బాజి కిచ్చన్‌తోమ్
అంబడి బాజి అటంతోమ్
అంబడి బాజి తింతోమ్

అంగుర్	అంచె	అందె
ద్రాక్షపళ్ళు	గుల్ల	అందె

అం అం అం

క	కటుల్
	మంచం

కటుల్ కటుల్ బతత కటుల్

కటుల్ కటుల్ నుల్కత కటుల్

కటుల్ కటుల్ బోన కటుల్

కటుల్ కటుల్ తాదొన కటుల్

కడ్	కర్బూజ	కంగ్వ
కన్ను	పుచ్చకాయ	దువ్వెన

క క క

ఖ

ఖడ

కల్లం

ఖడ ఖడ బతత ఖడ

ఖడ ఖడ వంజిన ఖడ

ఖడతగ బత్తజ్ తిరుసంతెర్

ఖడతగ కోందజ్ తిరుసంతెర్

ఖసటి	ఖెక్డె	ఖోజ
ఎద్దుగంట	ఎండ్రికాయ	గిన్నె

ఖ ఖ ఖ

గ

గడ్డి

కోండముచ్చు

గడ్డి బగ్గ మందంతా

గడ్డి కేడతె మందంతా

గడ్డి బహన్ మందంతా

గడ్డిత మొకం కారి మందంతా

గంజ్	గందల్	గాజ్లిజ్
గంజు	గద్ద	గాజులు

గ గ గ

ఘ

ఘడి

గడియారం

ఘడి కైదగ దొహంతెర్

ఘడి బతల్ తొహంత

ఘడి యేల తొహంత

ఘడిత యేలతె తాకంతోమ్

ఘాటో	ఘూసి	ఘుజర్
అన్నం	పందికొక్కు	గుంగూరు

ఘ ఘ ఘ

ఔ

ఆజి

చొక్కా

సజి సూడ్నెన్ వాతోర్
సజిన్ ఆజి యేత్తోమ్
సజి ఆజి కెర్తోర్
సజి సోటతె దిసంతోర్

పుజార్	మజిమర్ర	గజార్
పువ్వు	తెల్లమద్దిచెట్టు	గంగాళం

ఔ ఔ ఔ

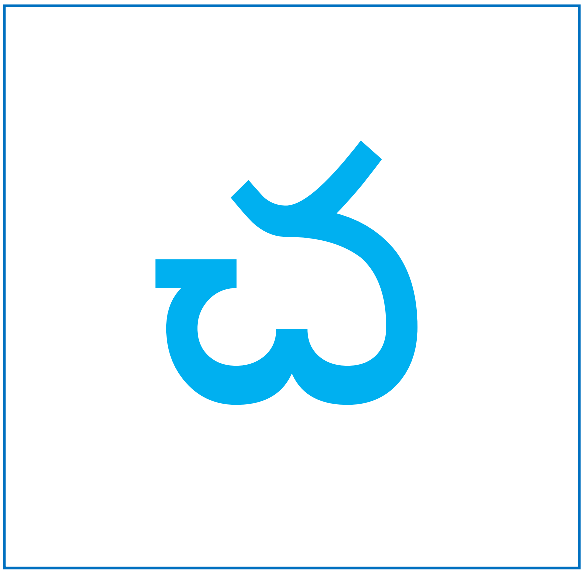

చర్వి

సర్వ

జంగు చర్వి పియ్‌సి కుహాతె సొత్త
యేర్ చేంది కీసి చర్వి నిహాత
చర్వి తోచ్చి రోన్ వాత
చర్విత యేర్ సందిర్క్ సీత

చహ్కా	చమ్చా	చాప్ర
రోలు	చెంచా	చాప

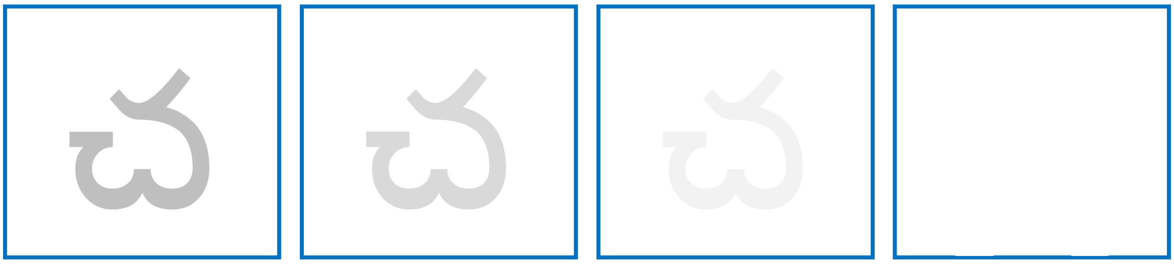

ఛ

ఛత్రి

గొడుగు

ఛత్రి ఛత్రి బతల్ కామ్ను

ఛత్రి ఛత్రి పిర్దున్ కామ్ను

ఛత్రి ఛత్రి బతల్ కామ్ను

ఛత్రి ఛత్రి ఎద్దితున్ కామ్ను

ఛెక్డా	ఛేడె	ఛోర్న
కచ్చడపు బండి	జడిగం	లాగు

ఛ ఛ ఛ

జ

జత్త

ఇసుర్రాయి

జత్త జత్త బతత జత్త
జత్త జత్త బండత జత్త
జత్త బతల్ కామ్న
జత్త నోర్వల్ కామ్న

జత్తుర్	జల్కర్	జత్తె
తంబుర	దీపం	రొయ్య

జ జ జ

ఝ

ఝేల

మొక్కజొన్నపూత

ఝేల ఝేల బతత ఝేల

ఝేల ఝేల మక్కెన ఝేల

ఝేల ఝేల బతత ఝేల

ఝేల ఝేల కష్డిత ఝేల

ఝల్క	ఝారి	ఝడ్పకాసుర్
నృత్యశైలి	కలశం	బుర్కబండి

ఝ ఝ ఝ

ట

టవ్వె

పాలపిట్ట

సగుడ్ పిట్టె బడ్ ఆంద్

సగుడ్ పిట్టె టవ్వె ఆంద్

రాజ్న పిట్టె బడ్ ఆంద్

రాజ్న పిట్టె టవ్వె ఆంద్

టాటి	టప్పల్	టమాట
తడక	ముసుగు	టమాట

ట ట ట

ర

రావ

మంచంకోడు

రావ రావ బతత రావ

రావ రావ కటుడ రావ

రావజ్ రావజ్ బచ్చోజ్ రావజ్

రావజ్ రావజ్ నాలుజ్ రావజ్

రాణ	రాపుర్	రాక్రిమిచ్చొ
పోలీస్ స్టేషన్	లొటారం	తేలు

ర ర ర

డ

డప్

డప్పు

మావ నాటే డండారి వాత

డప్ జోడి కీతెర్

డప్‌న నాంద్‌నే గుసాడ్క్ యేందలాతెర్

డండారి సూడ్‌లె చుడుర్ డగుర్ వాతెర్

డరోట	డువ్వల్	డియ్‌వా
దర్వాజ	పులి	దీపం

డ డ డ

ఢ

ఢప్యా

ఢమరుకం

ఢప్యా పాసెర్ వేసుడి వెహాంతెర్

ఢప్యాత నాంద్ కేంచి మీరే మూతెర్

ఢప్యాత నాంద్ మజా వాత

ఢప్యాత నాంద్ కేంచి సబాస్ ఇత్తెర్

ఢగరిమావ్	ఢోబ్ర	ఢొల్కి
దుప్పి	తొర్ర	మద్దెల

ఢ ఢ ఢ

ణ

నియ్‌గాణ

గానుగ

గాణతగ బతజ్ కీంతెర్

గాణతగ నుజ్, గారన నియ్ తెండంతెర్

గాణతల్ తెండ్తా నియ్‌దె పేన్‌ద డీవా నిరుసీంతెర్

గాణత నియ్‌దె గార్కజ్ తుజంతెర్

వీణ	పుణక్	వేణి
వీణ	పౌర్ణమి	జడ

ణ ణ ణ

# త	## తడాయ్ చెరువు
తడాయ్ నించి ఏర్మంత తడాయ్ ఏతె వంజిజ్ పండంతజ్ తడ్మిమాసి జాగ్లి మందంతెర్ తడ్మిమాసి గాటొ కుస్రి అటంతెర్	

తల్ల	తడెంజల్	తాగ్డి
తల	తోడేలు	తక్కెడ

త	త	త	

ధ

ధమ్మముద్ద

రాగిఉంగరం

నొవ్రి నొవ్‌రల్ హాటుం సొత్తెర్
ధమ్మ ముద్దజ్ యెత్తెర్
ధమ్మ ముద్దజ్ పియ్‌సి వాతెర్
నొవ్రి నొవ్‌రల్ ధమ్మ ముద్దజ్ కెర్‌తెర్

ధమ్మధాలి	రధ్	మధడి
రాగిచెంబు	రథం	అలుగు

ధ ధ ధ

ద

దండోస్

దండం

నగుడగ వరొర్ రాజల్ మంతొర్
సెవకల్ వాసి దండోస్ దొస్తొర్
చొకొట్ వాయిట్ పూసికీతొర్
వోన దండోస్ యెత్తొర్

దండ్కడె	దానడ్	దుడ్మ
కడియం	జొన్నలు	బొనుగు

ద ద ద

ధ

ధాత్ర

దంతె

ధాత్ర బతల్ కామ్ను
ధాత్ర ఖడత సెన్ ఊమ్లె కామ్ను
ధాత్ర బహాన్ మన్దంతా
ధాత్ర పల్క్ వాలె మన్దంతా

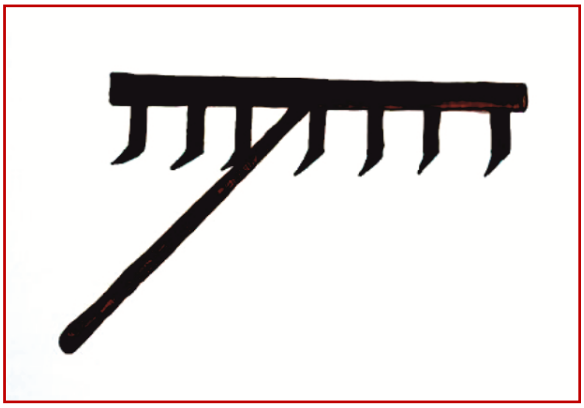

ధడియ	ధోత్రె	ధూపర్న
కంచం	ధోతి	బద్ది

ధ ధ ధ

న

నాయ్‌జాల్

నాగలి

వాడె నాయ్‌జాల్ కీతొర్

దాదల్ నాయ్‌జాల్ తత్తొర్

కోందనే నాయ్‌జాల్ పుప్తోర్

నాయ్‌జాడే వావుర్ ఊడ్తొర్

నుజ్	నెయ్	నడ్వంజ్
నువ్వులు	కుక్క	వానపాము

న న న

ప

మర్కపండి

మామిడిపండు

మర్కమర్ర సొత్త మర్కపండి

పర్కెమర్ర సొత్త పర్కెపండి

పనసమర్ర సొత్త పనసపండి

సప్డి పండిజ్ కొయ్‌సి సప్డిర్ ఉచ్చి తిత్తోమ్

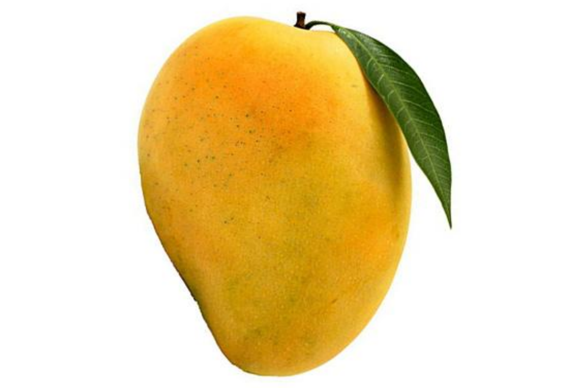

పల్క్	పన్నె	పడియ
దంతాలు	కప్ప	పేన్లదువ్వెన

ప ప ప

బ

బదెక

బాతు

ఏతగ నడివల్ బదెక

పుడ్స్క్ తిన్వల్ బదెక

ఏర్ సాప్కియ్వల్ బదెక

మేస్క్ దొస్వల్ బదెక

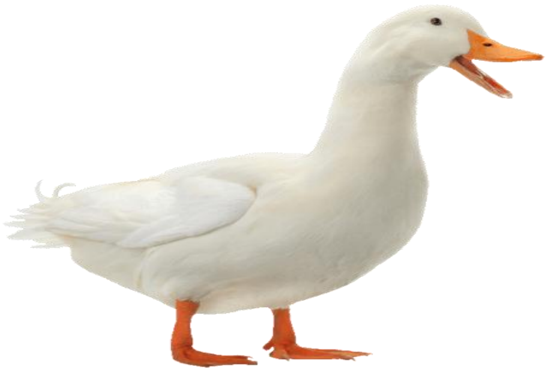

బొవ్రి	బండ	బడ్డె
బొంగరం	రాయి	కర్ర

బ	బ	బ	

మ

మల్

నెమలి

చుచు చుమ్రి మెట్టతే మల్ యేందలాత
వరట్ కోకో వరట్ మల్ సూడ దాకట్
మల్ యేంద్వల్ సూడ్కట్
మల్ యేంద్వల్ సూడ్సి మరట్ కుసి ఆకట్

మక్కె	మగ్గుర్	మొల్లోల్
మొక్కజొన్న	మొసలి	కుందేలు

మ	మ	మ	

య

సాపకాయ

వంకాయ

యాయల్ హాటుం సొత్త
సాప కాయజ్ తత్తా
యాయల్ కాయజ్ కొయ్త
కుస్రి అట్సి సీత

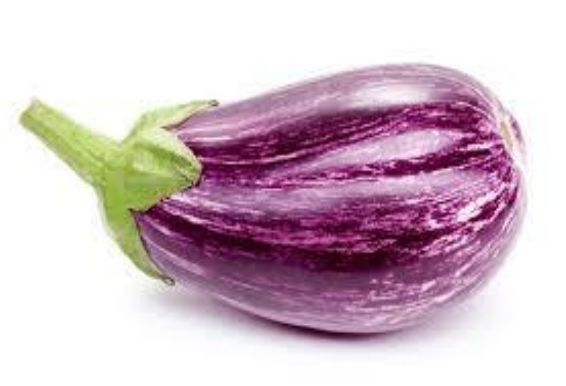

కోయలల్	సిత్తకాయ	పియ
నక్క	చింతకాయ	లేగదూడ

య య య

ర

రాగొ

చిలుక

రాగొత మేందొల్ చిల్లల్

రాగొత టోడ్డి రగ్గల్

రాగొ పండిజ్ తింత

రాగొ మిట్టు మిట్టు ఇంత

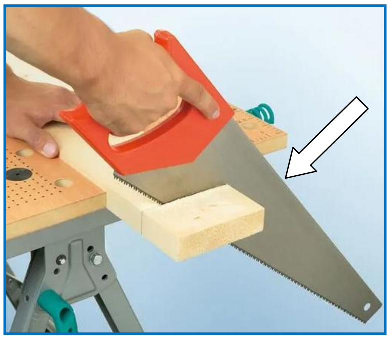

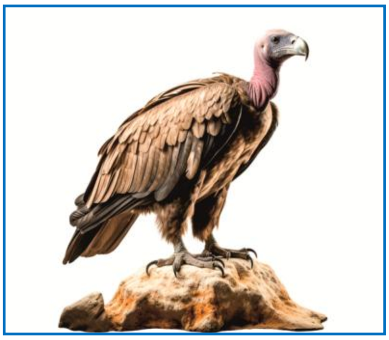

రంపె	రాయల్	రోన్
రంపం	రాబందు	ఇల్లు

ర ర ర

ల

లడ్డు

లడ్డు

లడ్డు లడ్డు బతత లడ్డు
లడ్డు లడ్డు బూంది లడ్డు
లచ్చు తత్తోర్ గోడ్ లడ్డు
జారు తిత్త బూంది లడ్డు

లసుడ్	లమ్గ	లేండిపండి
ఎల్లిపాయ	లవంగం	అల్లనేరేడుపండు

ల ల ల

వ

వడ్మర్ర

మర్రిచెట్టు

వడ్ మర్రతజ్ వేలింగ్ రైతజ్
వడ్ మర్ర బూడ్ కాండిర్ వాతెర్
వేలింగ్ పియ్సి కాండిర్ ఉజ్తెర్
వడ వడ వడిదె కాండిర్ కర్సెతెర్

వక్కుర్	వంజిజ్	వటేడజ్
గుంటుక	వడ్లు	బఠాణీలు

వ వ వ

స

సడాయిజ్

శనగలు

వాప్టె సడాయిజ్ యెత్తోమ్
సడాయిజ్ బుడల్క్ ఆతజ్
తాదో సడాయిజ్ బొడ్సతోర్
సమ్దిర్ సడాయిజ్ తిత్తోమ్

సేతి	సెర్కపండిజ్	సుయ్
చాట	మొర్రిపళ్ళు	ముళ్ళపంది

స	స	స	

హా

హాటుం

అంగడి

బాబల్ హాటుం సొత్తొర్

హాటుంనజ్ ముర్రెజ్ తత్తొర్

మాక్ హాక్ సీతొర్

హాటుంనజ్ ముర్రెజ్ సీతొర్

	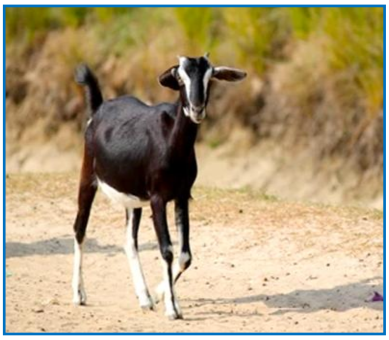	
హెర్మి	హెర్రె	హూడె
గేదె	మేక	గోరింకపిట్ట

హా హా హా

గుణింతల్క్

లేజ్	గుణింతాక్సర్	ఉదాహరణల్క్	ఉదాహరణల్క్
అ	◌	కర్టులి 	గమ్డి
ఆ	◌ా	కాకాడ్ 	కారెల
ఇ	◌ి	గిర్క 	కిక్కల్జాడి
ఈ	◌ీ	కీక్రి 	వీసి

లేజ్	గుణింతాక్సర్	ఉదాహరణత్క్	ఉదాహరణత్క్
ఉ	◌ు	తుడుమ్	కుట్రె
ఊ	◌ూ	గూడ	బూర
ఎ	◌ె	వెర్చె	వెర్కడ్
ఏ	◌ే	కేరెపండి	మేంజ్

లేజ్	గుణింతాక్సర్	ఉదాహరణత్క	ఉదాహరణత్క
ఒ	◌ొ	కొర్	గొర్రె
ఓ	◌ో	కోపె	డోల్
అం	◌ం	కంక	లింబు

అంకెల్క్			
1	ఉంది	ఒకటి	
2	రండ్	రెండు	
3	మూంద్	మూడు	
4	నాలుజ్	నాలుగు	
5	సియుజ్	ఐదు	
6	సారుజ్	ఆరు	
7	ఏడుజ్	ఏడు	
8	ఆట్	ఎనిమిది	
9	నొవ్	తొమ్మిది	
10	దహా	పది	

11	అక్ర	పదకొండు	
12	బార	పన్నెండు	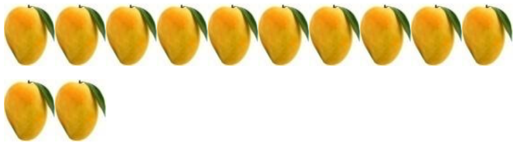
13	తేర	పదమూడు	
14	చౌద	పధ్నాలుగు	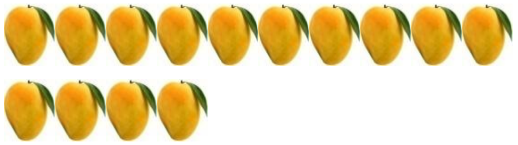
15	పంద్ర	పదిహేను	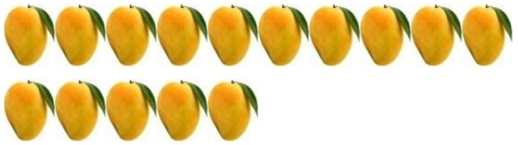
16	సోడ	పదహారు	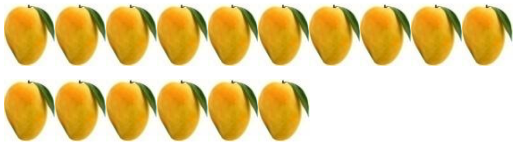
17	సత్ర	పదిహేడు	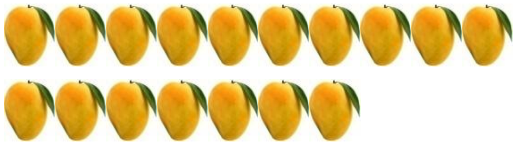
18	అట్ర	పద్దెనిమిది	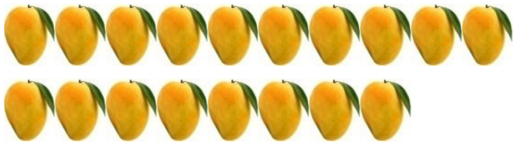
19	ఉందికమ్మివీస	పంతొమ్మిది	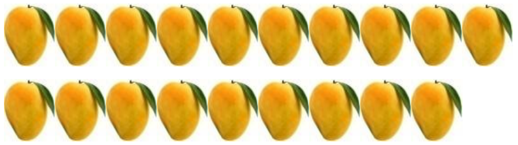
20	వీస	ఇరవై	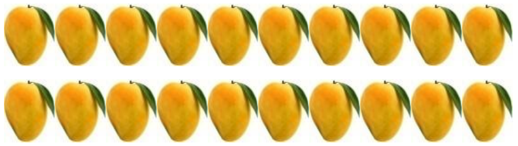

టూడ్‌నజ్ అంకెల్‌కున్ దిద్దాట్				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

తెలుగు వర్ణమాల

అచ్చులు

అ ఆ ఇ ఈ ఉ ఊ ఋ ఎ ఏ ఐ

ఒ ఓ ఔ అం అఁ అః

హల్లులు

క ఖ గ ఘ ఙ

చ ఛ జ ఝ ఞ

ట ఠ డ ఢ ణ

త థ ద ధ న

ప ఫ బ భ మ

య ర ల వ శ ష స హ ళ క్ష ఱ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

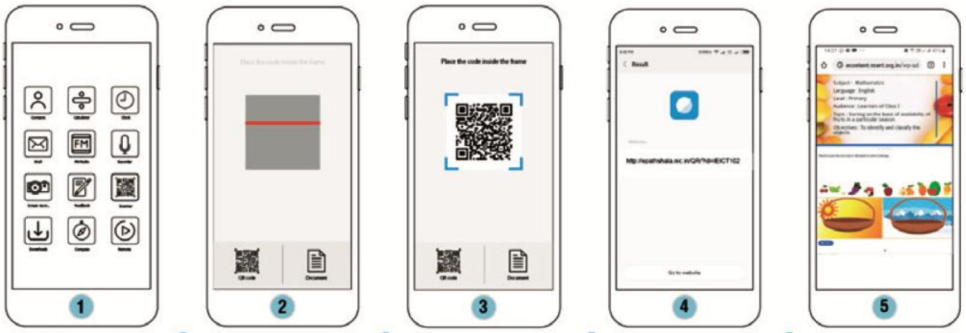

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language
1	ANAL
2	ANGAMI
3	AO
4	ASSAMESE
5	BHUTIA
6	BODO
7	DEORI
8	DESIA
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALABI (HALBI)
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI (RONGMEI)
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA (COORGI/KODAGU)
23	KONDA
24	KORKU
25	KOYA
26	KUI
27	KUKI
28	KURUKH/ORAON
29	KUWI
30	KUZHALE (KHEZHA)
31	LIANGMAI
32	LIMBU
33	LOTHA
34	MANIPURI
35	MAO
36	MISHMI
37	MISING
38	MIZO
39	MOGH
40	MUNDARI
41	NEPALI
42	NYISHI (NISSI)
43	RAI
44	SANTALI (ODISHA)
45	SANTALI (WEST BENGAL)
46	SAVARA (SORA)
47	SHERPA
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language
55	ADI
56	BHUMIJ
57	CHANG
58	GONDI
59	HALAM
60	HO
61	KHIAMNIUNGAN
62	KOCH
63	KODA (KORA)
64	KOLAMI
65	KOM
66	KONYAK
67	LADAKHI
68	LEPCHA
69	MARA (LAKHER)
70	MARAM
71	NOCTE
72	PASHTO
73	POCHURY
74	RABHA
75	RENGMA
76	SHINA
77	TAMIL
78	TIBETAN
79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language
80	BENGALI
81	BHILI
82	BISHNUPRIYA MANIPURI
83	CAR NICOBARESE (PŪ)
84	DOGRI
85	GUJARATI
86	KANDHA (KONDH)
87	KANNADA
88	KHASI
89	KONKANI
90	KORWA
91	LAHAULI
92	MAITHILI
93	MALAYALAM
94	MALTO
95	MARATHI
96	MARING
97	MONPA
98	MUNDA
99	NANCOWRY (MÖÜT)
100	ODIA
101	PARJI (DURUA)
102	PHOM
103	PUNJABI
104	TELUGU

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-IV (13)

SN	Language
105	BALTI (PERSO-ARABIC)
106	BHILI (WAGDI)
107	CHOKRI
108	GONDI-TELUGU
109	KASHMIRI (DEVANAGARI)
110	KASHMIRI (PERSO-ARABIC)
111	LAI (PAWI)
112	SANGTAM
113	SANTALI (JHARKHAND)
114	SINDHI (DEVANAGARI)
115	SINDHI (PERSO-ARABIC)
116	URDU
117	ZEME (ZEMI)

PRIMERS UNDER PREPARATION (8)

SN	Language
118	GANGTE
119	HINDI
120	KOKBOROK (TRIPURI)
121	PAITE
122	SANSKRIT
123	THADOU-KUKI
124	VAIPHEI
125	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in